

## ॥ कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ ब्रह्मवादिने नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ ब्रह्मब्राह्मणवत्सलाय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मदेवाय नमः  
 ॐ ब्रह्मदाय नमः  
 ॐ ब्रह्मसङ्ग्रहाय नमः  
 ॐ पराय नमः  
 ॐ परमाय तेजसे नमः  
 ॐ मङ्गलानाञ्च मङ्गलाय नमः १०  
 ॐ अप्रमेयगुणाय नमः  
 ॐ मन्त्राणां मन्त्रगाय नमः  
 ॐ सावित्रीमयाय देवाय नमः  
 ॐ सर्वत्रैवापराजिताय नमः  
 ॐ मन्त्राय नमः  
 ॐ सर्वात्मकाय नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ षडक्षरवतां वराय नमः  
 ॐ गवां पुत्राय नमः  
 ॐ सुरारिघ्नाय नमः २०

ॐ सम्भवाय नमः  
 ॐ भवभावनाय नमः  
 ॐ पिनाकिने नमः  
 ॐ शत्रुघ्ने नमः  
 ॐ कूटाय नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ सुराग्रण्ये नमः  
 ॐ द्वादशाय नमः  
 ॐ भुवे नमः  
 ॐ भुवाय नमः ३०  
 ॐ भाविने नमः  
 ॐ भुवःपुत्राय नमः  
 ॐ नमस्कृताय नमः  
 ॐ नागराजाय नमः  
 ॐ सुधर्मात्मने नमः  
 ॐ नाकपृष्ठाय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ हेमगर्भाय नमः  
 ॐ महागर्भाय नमः  
 ॐ जयाय नमः ४०

ॐ विजयेश्वराय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ अनित्याय नमः  
 ॐ अरिमर्दनाय नमः  
 ॐ महासेनाय नमः  
 ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ वीरसेनाय नमः  
 ॐ चमूपतये नमः  
 ॐ सुरसेनाय नमः  
 ॐ सुराध्यक्षाय नमः  
 ॐ भीमसेनाय नमः  
 ॐ निरामयाय नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ यदवे नमः  
 ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ वीर्यवते नमः  
 ॐ सत्यविक्रमाय नमः  
 ॐ तेजोगर्भाय नमः  
 ॐ असुररिपवे नमः  
 ॐ सुरमूर्तये नमः

५०

६०

ॐ सुरोर्जिताय नमः  
 ॐ कृतज्ञाय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ शरण्याय नमः  
 ॐ साधुवत्सलाय नमः  
 ॐ सुव्रताय नमः  
 ॐ सूर्यसङ्काशाय नमः  
 ॐ वह्निगर्भाय नमः  
 ॐ रणोत्सुकाय नमः  
 ॐ पिप्पलिने नमः  
 ॐ शीघ्रगाय नमः  
 ॐ रौद्रये नमः  
 ॐ गाङ्गेयाय नमः  
 ॐ रिपुदारणाय नमः  
 ॐ कार्तिकेयाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ क्षान्ताय नमः  
 ॐ नीलदंष्ट्राय नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ निग्रहाय नमः  
 ॐ निग्रहाणां नेत्रे नमः

७०

८०

ॐ दैत्यसूदनाय नमः	ॐ अग्नये नमः	
ॐ प्रग्रहाय नमः	ॐ शत्रुघ्नाय नमः	
ॐ परमानन्दाय नमः	ॐ सर्वबोधनाय नमः	
ॐ क्रोधघ्नाय नमः	ॐ अनघाय नमः	१००
ॐ तारकोऽच्छिदाय नमः	ॐ अमराय नमः	
ॐ कुक्कुटिने नमः	ॐ श्रीमते नमः	
ॐ बहुलाय नमः	ॐ उन्नताय नमः	
ॐ वादिने नमः	ॐ अग्निसम्भवाय नमः	
ॐ कामदाय नमः	ॐ पिशाचराजाय नमः	
ॐ भूरिवर्धनाय नमः	ॐ सूर्याभाय नमः	
ॐ अमोघाय नमः	ॐ शिवात्मने नमः	
ॐ अमृतदाय नमः	ॐ सनातनाय नमः	

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डान्तर्गते  
कुमारिकाखण्डे श्री कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Kartikeya\\_Ashottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Kartikeya_Ashottara_Shatanamavali). This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>